(ख) क्या यह भी सच है कि इस व्यवहार के कारण फिजी के नागरिकों को फिजी छोड कर किसी अन्य देश में जाने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है ; यदि हा, तो चालू वर्ष में फिजी छोड कर जाने वाले लोगो की सख्या क्या है और क्या सरकार ने इस सबध मे कूटनीतिक कदम उठाए है, यदि हा, तो उनका ब्यौरा क्या है और उसका क्या परिणाम निकला है ?

विदेश मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख) फिजी मे भारतीय मूल के लोगो के साथ जो जातीय भेदभाव का व्यावहार किया जा रहा है उसके प्रति तथा वहा की गैर-कानूनी सरकार द्वारा फिजी के नागरिकों के मानवाधिकारो का जो उल्लंघन हो रहा है उसकी भी भारत सरकार की जानकारी है । इसकी वजह से पिछले तीन साल मे करीब 21,000 लोग वहाँ से विदेशों मे चले गए है, लेकिन बताया जाता है कि कुछ लोग लौट भी आए है । वर्ष 1990-91 के ठीक-ठीक आकडे उपलब्ध नही है । भारत सरकार ने कई अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर फिजी मे जातीय भेदभाव तथा मानव-अधिकारो के उल्लघन का सवाल उठाया है। सम्बद्ध देशों के साथ द्विपक्षीय बैठको में भी इस संबंध में विचार-विमर्श हुआ है । भारत सरकार जातीय भेद-भाव का तथा फिजी मे मानवाधिकारो के उल्लघन का विरोध करने वाले सभी फिजी वासियो को राजनयिक और नैतिक समर्थन दे रही है । फिजी की स्थिति के प्रति अन्तर-राष्ट्रीय जागरुकता यद्यपि बढ रही है लेकिन अन्य कुछ ही ऐसी सरकारे है जिन्होने गैर-कानूनी सरकार की जातीय भेद-भाव की नीति का सक्रिय विरोध किया है ।

गंगा कार्य योजना

807. **श्री बलराम सिंह यादव :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या पर्यावरण और वन मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में गंगा कार्य योजना के अधीन शुरू की गई परियोजनाओ पर काम लगभग रोक दिया गया है ;

(ख) यदि हा, तो सरकार ने उत्तर प्रदेश मे इस योजना पर कितना धन व्यय किया है ,

(ग) व्यय किए गए धन मे इस योजना के अतर्गत कितना काम किया गया है , और

(घ) इस कार्य योजना को अधूरा छोडने के क्या कारण है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) जी, नही । उत्तर प्रदेश मे परियोजना की स्कीमो पर कार्य रूका नही है । सस्वीकृत की गई 107 स्कीमो में मे 66 स्कीमे पहले ही पूरी की जा चुकी है । शेष स्कीमे कार्य पूरा होने के विभिन्न चरणो मे है ।

(ख) दिनाक 31-10-90 तक 77.6 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जा चुकी है ।

(ग) हरिद्वार-ऋषिकेश मे 16 स्कीमें, फतेहगढ़ फर्रुखाबाद मे 3 स्कीमो, कानपुर मे 7 स्कीमो, इलाहबाद मे 13 स्कीमें, बिजनौर में 2 स्कीमे और वाराणसी में 25 स्कीमें पर क्रमश 11 05 करोड रुपये, 1 02 करोड रुपये, 12 45 करोड रुपये, 3 93 करोड रुपए, 2 90 करोड रुपये और 35 91 करोड रुपये खर्च किए जा चुके हैं , शेष कार्य प्रगति पर है ।

(घ) प्रश्न नही उठता ।

Financial assistance to Paradeep Port Trust

808. **SHRI KAHNU CHARAN LENKA** Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state

(a) whether any proposal has been received from the Paradeep Port Trust for providing adequate financial assistance for the improvement of the existing iron-ore berths and ore handling plant at that port; and